नव भारत
1934 से

6 क्रूज हादसे के पीछे आपराधिक लापरवाही

SBI State Bank Of India
7 टॉप कंपनियों की मार्केट पूंजी में उछाल

8 गोवा वेकेशन पर बिपाशा बसु का ग्लैमरस अंदाज

11 सिनर ने जीता मैड्रिड ओपन खिताब

3 राज्यों में बीजेपी की सरकार

सुवेंदु अधिकारी (जीते)

दिलीप घोष (जीते)

रूपा गांगुली (जीती)

थलपति (जीते)

ममता बनर्जी (हारी)

सीएम स्टालिन (हारे)

भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जीता!

केरलम और तमिलनाडु में विपक्ष की सरकार

नयी दिल्ली 04 मई. पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की मतगणना के रूझानों में भारतीय जनता पार्टी ने तीन राज्यों में ऐतिहासिक जीत हासिल कर ली है. आजादी के बाद बंगाल में बीजेपी की पहली ऐतिहासिक जीत है. वहीं, तमिलनाडु में अभिनेता विजय के करिश्में के दम पर टीवीके स्पष्ट रूप से सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है. जबकि केरल में वामपंथी सरकार का सफाया हो गया है. एक दशक बाद कांग्रेस के नेतृत्व में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा की सरकार बनने की प्रबल संभावना है.

असम और पुड्डुचेरी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार की वापसी हो गई है. चुनाव आयोग के रूझानों के आंकड़ों के अनुसार भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिल गयी है. राज्य की 293 विधानसभा सीटों में से बीजेपी ने 160 सीटों पर जीत हासिल कर ली है जबकि 48 पर आगे चल रही है.वहीं टीएमसी 55 सीटों पर जीत हासिल कर 24 पर आगे चल रही है. कांग्रेस ने 2 सीटों पर जीत हासिल की है. वहीं 2 सीटों पर वामपंथी आगे है. हालांकि दो सीटों पर अन्य उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है.

सनातन का अपमान और हिंदी से दूरी स्टालिन को ले 'डूबी'

26 का यह विधानसभा चुनाव तमिलनाडु की राजनीति में बड़े बदलाव का सूचक बना है। इस चुनाव में जनता ने मतदान के जरिए दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके के बीच राज्य की पारंपरिक सत्ता संरचना को तोड़ दिया और तमिलनाडु के राजनीतिक जमीन पर सिने स्टार और टीवीके प्रमुख थलपति विजय की शानदार एंट्री का रास्ता खोल दिया।इस राज्य का सियासी समीकरण हमेशा दो सिनेमाई दिग्गजों के परिवारों के बीच ही घूमता नजर आया। एम करुणानिधि और जे. जयललिता की पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के बीच ही लंबे समय से सत्ता का हस्तांतरण होता रहा.

बंगाल में 15 साल बाद ढह गया ममता बनर्जी का किला

पश्चिम बंगाल की राजनीति सोमवार एक ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है, जंहा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के घर में 74 साल बाद भगवा का रंग दिख रहा है. बंगाल में बीजेपी पूर्ण बहुमत में दिख रही है. 2026 के विधानसभा चुनावों के जो रुझान और नतीजे सामने आ रहे हैं, वे स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि बंगाल में ''भगवा'' का परचम लहराना अब लगभग तय है. सात दशकों के लंबे वैचारिक वनवास के बाद, भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि ने पहली बार उनके सपना को साकार करने जा रही है. लेकिन यह जीत जितनी भव्य दिख रही है, इसका विश्लेषण उतना ही गहरा और निष्पक्षता की मांग करता है. देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भाजपा की सरकार है, अब 24 से 25 राज्यों में भाजपा की सरकार बन गई है.

विजय ने करिश्मा 'अकेले शेर' की तरह किया

234 सीटों वाली विधानसभा में थलपति विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कड़गम' (टीवीके) 107 सीटों से ज्यादा पर लीड कर रही है. यह आंकड़ा ऐतिहासिक है क्योंकि विजय ने यह करिश्मा 'अकेले शेर' की तरह किया है. उन्होंने अपनी लोकप्रियता के दम पर डीएमके के कैडर आधारित मजबूत संगठन वाली पार्टी और दूसरी तरफ एआईडीएमके के जमीनी चैलेंज को ध्वस्त कर दिया है. विजय के पिता एस. ए. चंद्रशेखर ने बताया कि उनके बेटे के मन में पिछले तीन दशकों से समाज के लिए कुछ करने की इच्छा थी. उन्होंने कहा कि विजय ने जनता के साथ एक भावनात्मक रिश्ता बनाया है. महिलाएं उन्हें अपना बेटा मानती हैं, युवा उन्हें भाई कहते हैं और हर कोई उन्हें 'अन्ना' कहकर बुलाता है.अगर यह रुझान नतीजों में बदलता है, तो विजय का मुख्यमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है.

चुनाव में हार-जीत

पश्चिम बंगाल	वोट	पार्टी
1. ममता बनर्जी (भवानीपुर)	15113 (हारी)	टीएमसी
2. सुवेंदु अधिकारी (भवानीपुर)	15105 जीते	बीजेपी
3. रत्ना देबनाथ	20000(आगे)	बीजेपी
4. रूपा गांगुली	35782(जीती)	बीजेपी
5. दिलीप घोष (खड़गपुर सदर)	जीत	बीजेपी

तमिलनाडु	वोट	पार्टी
1. एमके स्टालिन	8,400(हारे)	डीएमके
2. थलापति विजय	53715(जीते)	टीवीके
3. उदयनिधि स्टालिन	7140(जीते)	डीएमके
4. ओ. पन्नीरसेल्वम	2284(आगे)	डीएमके

असम	वोट	जीत	पार्टी
1. हिमंता बिस्वा सरमा	89434	(जीते)	भाजपा
2 गौरव गोगोई	23182	(हारे)	कांग्रेस
3. मो. बदरुद्दीन अजमल	35380	(जीते)	अन्य

केरलम	वोट	जीत	पार्टी
1. पिनाराई विजयन	19247	(जीते)	सीपीआई
2. राजीव चंद्रशेखर	4978	(जीते)	भाजपा

पुड्डुचेरी	वोट	जीत	पार्टी
1. एन रंगास्वामी	7050	जीते	एआईएनआरसी

पार्टियों की दलीय स्थिति

पश्चिम बंगाल — कुल सीटें 293, बहुमत-147

पार्टी	सीट जीतीं	आगे
भाजपा	160	48
टीएमसी	55	24
कांग्रेस	02	00
लेफ्ट फ्रंट	00	02
आईएसएफ	00	01
अन्य	02	00

असम — कुल सीटें 126, बहुमत-64

पार्टी	सीट जीतीं	आगे
भाजपा- अन्य	102	00
कांग्रेस	19	02
अन्य	01	00
एआईयूडीएफ	02	00

तमिलनाडु — कुल सीटें 234, बहुमत-118

पार्टी	सीट जीतीं	आगे
टीवीके	96	11
डीएमके	47	12
अन्नाद्रमुक	42	01
एनडीए	38	18

केरलम — कुल सीटें 140, बहुमत-71

पार्टी	सीट जीतीं	आगे
यूडीएफ	100	01
एलडीएफ	35	00
एनडीए	03	00

पुड्डुचेरी कुल सीटें 30 बहुमत-16

पार्टी	सीट जीतीं	आगे
एनडीए	17	01
डीएमके	05	00
कांग्रेस गठबंधन	06	00

गौरव गोगोई को 19520 वोट से मिली करारी हार

असम विधानसभा चुनाव की मतगणना जारी है. इस बीच कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है. कांग्रेस का प्रमुख चेहरा और बंगाल में कांग्रेस से असम के मुख्यमंत्री का चेहरा माने जाने वाले गौरव गोगोई चुनाव हार गए हैं. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और उम्मीदवार गौरव गोगोई जोरहाट विधानसभा सीट से चुनाव लड़े थे. उन्हें भाजपा के उम्मीदवार हितेंद्र नाथ गोस्वामी ने चुनाव हरा दिया है. गौरव गोगोई कुल 43346 वोट मिले. वहीं बीजेपी के हितेंद्र नाथ के कुल वोट 62866 मिले. 19520 वोट से गौरव गोगोई की करारी हार हो गई. गौरव गोगोई की हार, कांग्रेस के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है. राज्यभर में कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना जारी है और दिन बढ़ने के साथ तस्वीर और साफ होने की उम्मीद है.

केसरिया रंग में रंगा बंगाल, जश्न में डूबा भाजपा मुख्यालय

नई दिल्ली 04 मई. विधानसभा चुनाव की मतगणना के रुझानों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल में प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाते दिख रही और इस जीत की खुशी यहां भाजपा कार्यकर्ताओं में दिख रही है. पूरा भाजपा मुख्यालय बंगालमय हो गया है. हर तरफ भाजपा कार्यकर्ता बंगाल में मिली ऐतिहासिक जीत की बातें करते दिखे. पार्टी मुख्यालय में बंगला गीत बजाए गये. विशेष रूप से चुनाव प्रचार के समय भाजपा द्वारा वोटरों को लुभाने के लिए बनाए गए गीत बजते रहे।बंगाल में मिली जीत की खुशी का इजहार करने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने यहां झालमुरी के स्टाल लगा रखे थे. झालमुरी का स्टाल लगाने वाले कार्यकर्ताओं का कहना था कि पहली बार श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भूमि भगवा रंग में लगी है. पहली बार पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है. ममता बनर्जी के शासन काल अंत हो गया है. तृणमूल कांग्रेस का जंगलराज खत्म हो गया है। अब बंगाल में विकास होगा.

एक नजर में

सुको की रजिस्ट्री खराब तरीके से कर रही काम

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच आयुषी मित्तल की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी, तभी रजिस्ट्री की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर चूक सामने आई. सीजेआई सूर्यकांत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री बेहद खराब तरीके से काम कर रही है और यहां हर व्यक्ति खुद को सुपर चीफ जस्टिस समझ रहा है. दरअसल, अदालत ने 23 मार्च 2026 को दिए गए अपने आदेश में प्रवर्तन निदेशालय को इस मामले में पक्षकार बनाने की अनुमति दी थी. इसके बावजूद ईडी को नोटिस जारी नहीं किया गया.

गुस्ताखी माफ

बंगाल अब विकास की ओर अग्रसर होगा : मोदी

जीत केवल चुनावी आंकड़े नहीं बल्कि वर्षों की मेहनत का परिणाम है

नई दिल्ली, 04 मई. पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जश्न मनाया. पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह जीत केवल सीटों की संख्या नहीं बल्कि कार्यकर्ताओं की अडिग मेहनत का फल है. मोदी ने यह भी घोषणा की कि बंगाल की पहली कैबिनेट मीटिंग में ही आयुष्मान भारत योजना को हरी झंडी मिलेगी.

इस अवसर पर महिलाओं को सुरक्षा, युवाओं को रोजगार और पलायन रोकने के उपायों पर भी जोर दिया गया. प्रधानमंत्री ने कहा कि बंगाल अब भयमुक्त वातावरण में विकास की ओर अग्रसर होगा. उन्होंने पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा सरकारों की उपलब्धियों को भी याद किया और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को नमन किया.

कार्यकर्ताओं ने उन्हें मां कामाख्या की तस्वीर भेंट की और नितिन नवीन को माला पहनाई.

मोदी ने कहा कि 'गंगोत्री से गंगासागर तक कमल खिला है' और देशभर में भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता लोकतंत्र की जीत है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन और कार्यकर्ताओं के साथ इस महाविजय का जश्न मनाया. पीएम मोदी ने कहा कि यह जीत केवल चुनावी आंकड़े नहीं बल्कि वर्षों की मेहनत और अडिग विश्वास का परिणाम है। उन्होंने बंगाल के पहले मंत्रिमंडल की बैठक में आयुष्मान भारत योजना को मंजूरी देने की घोषणा की, जिससे राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास तेजी से होगा. मोदी ने कहा कि बंगाल में महिलाओं को सुरक्षा का माहौल मिलेगा, युवाओं के लिए रोजगार सृजित होंगे और पलायन की समस्या को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे. साथ ही, उन्होंने घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही.

होर्मुज में जहाजों की आवाजाही शुरू

तेहरान, 04 मई. स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों की आवाजाही दोबारा शुरू होना वैश्विक स्तर पर एक बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है. अमेरिका द्वारा शुरू किए गए 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' के तहत इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों को सुरक्षा प्रदान की जा रही है. अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, इस मिशन में मिसाइल डिस्ट्रॉयर, 100 से अधिक विमान, ड्रोन और करीब 15,000 सैनिक तैनात किए गए हैं. कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने इसे क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बेहद जरूरी बताया. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि कई जहाज जरूरी सामान की कमी से जूझ रहे थे.

मप्र को बनाएंगे देश की मिल्क केपिटल : सीएम डॉ. यादव

ग्वालियर,04 मई. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम मध्यप्रदेश को देश का मिल्क केपिटल बनाकर रहेंगे. इसके लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल, बेहतर प्रबंधन और सभी पशुपालकों एवं दुग्ध उत्पादकों की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है. प्रदेश को मिल्क केपिटल बनाने में ग्वालियर बड़ी भूमिका निभाएगा.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को यहां राज्यस्तरीय पशुपालक एवं दुग्ध उत्पादक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्जवलन कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए और सम्मेलन में मौजूद सभी को पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन से जुड़कर प्रदेश को मिल्क केपिटल बनाने में सहयोग देने का संकल्प भी दिलाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर क्षेत्रीय पशुपालकों को अपने पशुधन के स्वास्थ्य एवं उपचार की स्थानीय स्तर पर सुविधा मुहैया कराने के लिए ग्वालियर में पशुओं का केयर एंड वेलनेस सेंटर खोलने, ग्वालियर के पशु स्वास्थ्य एवं उपचार केन्द्र का उन्नयन करने तथा डबरा में नया पशु चिकित्सालय खोलने की घोषणा की।

हर ब्लाक में बनाया जा रहा एक-एक वृंदावन ग्राम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पशुपालक प्रदेश की आर्थिक समृद्धि का प्रमुख आधार हैं। किसान कल्याण वर्ष में हमारी सरकार पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों के समग्र कल्याण में भी कोई कसर नहीं रखेगी। गाय का हो या भैंस का, सरकार पशुपालकों से सारा का सारा दूध खरीदेगी और इन्हें दूध का समुचित दाम भी दिलाएगी. मुख्यमंत्री ने अपील करते हुए कहा कि सभी पशुपालक स्वस्थ और उच्च कोटि का पशुधन पालें। सरकार की डा. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना का अधिकतम लाभ उठायें। पशुपालकों को हर संभव सहायता दी जाएगी।

वैचारिक जीत — भारतीय मतदाता जवाबदेही के नाम पर किसी भी अभेद्य दुर्ग को ढाहने की रखता है क्षमता

पांच राज्यों के चुनाव परिणाम से निकले दूरगामी संदेश

प्रवेश कुमार मिश्र

नई दिल्ली,04 मई. पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी विधानसभा चुनाव परिणामों ने भारतीय राजनीति में एक नई पटकथा लिख दी है. पश्चिम बंगाल से लेकर तमिलनाडु तक, इस चुनाव में मतदाताओं ने न केवल सत्ता विरोधी लहर को स्वर दिया, बल्कि क्षेत्रीय राजनीति में नए चेहरों और राष्ट्रीय दलों के विस्तार को भी स्वीकार किया है.

चुनाव परिणाम बताते हैं कि जहां एक तरफ भारतीय मतदाता जवाबदेही के नाम पर किसी भी अभेद्य दुर्ग को ढाहने की क्षमता रखता है. वहीं दूसरी ओर विकास की यात्रा को सुगम आधार भी देता है. चुनाव परिणाम के बाद यह कहा जा रहा है कि जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल में भाजपा ने एक बड़ी वैचारिक जीत हासिल करते हुए राजनीति में एक युगांतरकारी परिवर्तन का आगाज किया है, जो ग्रामीण असंतोष और मतदाता सूचियों के गहन संशोधन जैसे कारकों से प्रेरित रहा है, वहीं दूसरी ओर तमिलनाडु में अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम यानी टीवीके ने अपने पहले ही चुनाव में इतिहास रचते हुए क्षेत्रीय पहचान की एक नई परिभाषा गढ़ी है. इतना ही नहीं यह जनादेश आगामी 2029 के आम चुनाव के लिए भी एक महत्वपूर्ण आधार तैयार करेगा. स्टालिन की हार और पार्टी का तीसरे स्थान पर खिसकना द्रविड़ राजनीति के इस स्तंभ के लिए आत्ममंथन का समय बनकर उभरा है. जबकि एआईडीएमके के लिए पुनरुत्थान का संकल्प माना जा सकता है.

> राजनीतिक जानकार बता रहे हैं कि बंगाल में जीत और असम में सत्ता बरकरार रखते हुए भाजपा ने मिशन पूर्वीभारत को हासिल कर पूर्वी भारत में एक बड़ी वैचारिक और राजनीतिक जीत हासिल करते हुए अपने भौगोलिक विस्तार के स्वप्न को साकार करने व विस्तारवादी यात्रा को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाने वाला साबित किया है. जानकार बता रहे हैं कि तमिलनाडु की राजनीति में यह परिणाम ऐतिहासिक महत्व के रूप में याद किया जाएगा, जिसने न सिर्फ राज्य के पारंपरिक सत्ता समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया है बल्कि वह राज्य, जो पिछले 50 वर्षों से द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम यानी डीएमके और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम यानी एआईडीएमके के बीच झूलता रहा था, अब एक नए तीसरे ध्रुव को स्वीकार कर चुका है. सत्तारूढ़ डीएमके के लिए ये नतीजे सत्ता विरोधी लहर और नए विकल्प की चाह का स्पष्ट संकेत हैं.

(शेष पेज 2 पर)